

## मासिक भत्तों के वितरण हेतु 'पे रोल ऑटोमेशन' (PADMA)

### प्रलिस के लिये:

PADMA, भारतीय तटरक्षक बल, केंद्रीकृत वेतन प्रणाली, डजिटल भारत, आत्मनरिभर भारत, वशिष आर्थिक क्षेत्र (SEZ), RTGS, NEFT

### मेन्स के लिये:

वभिन्न सुरक्षा बल और एजेंसियों तथा उनके अधदिश, केंद्रीकृत और वकिंद्रीकृत भुगतान प्रणाली, भारतीय तटरक्षक बल

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में रक्षा मंत्रालय ने 'मासिक भत्तों के वितरण के लिये पे रोल ऑटोमेशन' (PADMA) का उदघाटन किया, जो [भारतीय तटरक्षक बल](#) के लिये एक स्वचालित वेतन और भत्ता मॉड्यूल है।

## PADMA के संबंध में मुख्य बडि:

### परचिय:

- PADMA नवीनतम तकनीक का लाभ उठाने वाला एक स्वचालित मंच है जो लगभग 15,000 भारतीय तटरक्षक कर्मियों को वेतन और भत्तों का नरिबाध एवं समय पर वितरण सुनिश्चित करेगा।
- यह मॉड्यूल रक्षा लेखा वभिग के तत्वावधान में वकिसति किया गया है और वेतन लेखा कार्यालय तटरक्षक, नोएडा द्वारा संचालित किया जाएगा।

### महत्त्व:

- इस पहल ने उस केंद्रीकृत वेतन प्रणाली की शुरुआत को चिह्नित किया है, जिसकी नीव रक्षा लेखा वभिग मुख्यालय द्वारा मंत्रालय के तहत सभी संगठनों के लिये 'वन स्टॉप पे अकाउंटिंग' समाधान प्रदान करने के लिये रखी जा रही है।
- PADMA के लॉन्च से [डजिटल इंडिया](#) वजिन की अवधारणा को मजबूती मिलेगी। साथ ही यह एक '[आत्मनरिभर भारत](#)' पहल है क्योंकि पूरे मॉड्यूल को डोमेन वशिषज्ओं द्वारा सहायता प्राप्त भारतीय उद्यमियों ने डज़ाइन और वकिसति किया है।

## केंद्रीकृत और वकिंद्रीकृत भुगतान प्रणाली

- भारत में केंद्रीकृत भुगतान प्रणाली में रयिल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (RTGS) प्रणाली और राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक नधि अंतरण (NEFT) प्रणाली कसि भी अन्य प्रणाली के रूप में शामिल होंगे जिस पर समय-समय पर भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा नरिणय लिया जा सकता है।
- **RTGS:** यह लाभार्थियों के खाते में वास्तविक समय पर धनराशिके हस्तांतरण की सुविधा को सक्रम बनाता है और इसका प्रयोग मुख्य तौर पर बड़े लेन-देनों के लिये किया जाता है।
  - यहाँ 'रयिल टाइम' अथवा वास्तविक समय का अभिप्राय नरिदेश प्राप्त करने के साथ ही उनके प्रसंस्करण (Processing) से है, जबकी 'ग्रॉस सेटलमेंट' या सकल नपिटान का तात्पर्य है की धन हस्तांतरण नरिदेशों का नपिटान व्यक्तगित रूप से किया जाता है।
- **NEFT:** यह एक देशव्यापी भुगतान प्रणाली है, जो इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से धन के हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करती है।
  - इसका उपयोग आमतौर पर 2 लाख रुपए तक के फंड ट्रांसफर के लिये किया जाता है।
- वकिंद्रीकरण भुगतान प्रणाली में भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा समाशोधन व्यवस्था [चेक ट्रंकेशन ससि्टम (CTS)] के साथ-साथ अन्य बैंक [एक्सप्रेस चेक क्लियरिंग ससि्टम (ECCS) केंद्रों की जाँच] और कसि अन्य प्रणाली के रूप शामिल होंगे जिसमें समय-समय पर भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा नरिणय लिया जाएगा।
  - **चेक ट्रंकेशन:** यह भुगतानकर्ता बैंक द्वारा भुगतानकर्ता बैंक शाखा के रास्ते में कसि बडि पर ड्रॉअर द्वारा जारी किये गए भौतिक चेक के प्रवाह को रोकने की प्रकरिया है।

## भारतीय तटरक्षक बल:

#### ■ परचिय:

- यह भारत की एक समुद्री कानून प्रवर्तन और खोज एवं बचाव एजेंसी है, जिसका कक्षेत्राधिकार इसके निकटवर्ती कक्षेत्र एवं अनन्य आर्थिक कक्षेत्र सहित अपने कक्षेत्रीय जल पर है।
  - **सननहिति कक्षेत्र:** यह जल का एक बैंड है जो कक्षेत्रीय समुद्र के बाहरी कनारे बेसलाइन से 24 समुद्री मील तक फैला होता है।
  - **वशिष आर्थिक कक्षेत्र (SEZ):** यह कसिी देश में एक ऐसा कक्षेत्र होता है जो एक ही देश के भीतर अनन्य कक्षेत्रों की तुलना में वभिन्न आर्थिक नयिमों के अधीन होता है।
- यह ररक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आता है।
- ICG के गठन की अवधारणा **1971 के युद्ध** के बाद अस्तित्व में आई।
- दूरदर्शी **रुस्तमजी समति** द्वारा बहुआयामी तटरक्षक बल के लयि खाका तैयार कयिा गया था।

#### ■ कार्य:

- **तस्करी को रोकना:** ICG के प्राथमिक करतव्यों में से एक समुद्री मार्गों से तस्करी को रोकना है।
  - सननहिति कक्षेत्र और **अनन्य आर्थिक कक्षेत्र (EEZ)** सहित भारत के कक्षेत्रीय जल पर इसका अधिकार कक्षेत्र है।
- **नागरकों को सहायता:** इसने अपने वभिन्न कार्यों के दौरान अब तक लगभग 13,000 नागरकों को बचाया है। बाढ़, चक्रवात एवं अनन्य प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी नागरकों को सहायता प्रदान की।
- **समुद्री सुरक्षा:** यह अंतर्राष्ट्रीय समुद्री अपराधों का मुकाबला करने और अपने अधिकार वाले कक्षेत्र के साथ ही **हदि महासागर कक्षेत्र** में समुद्री सुरक्षा बढ़ाने हेतु तटवर्ती देशों के साथ भी सहयोग करता है।
- **सागर पहल (Security and Growth for All in the Region-SAGAR)** तथा **नेबरहुड फरस्ट** (Neighbourhood First) की नीति के तहत ICG ने महासागरों में व्यावसायिक संबंधों का विकास कयिा है और महासागर शांति स्थापना के लयि हदि महासागर कक्षेत्र के देशों के साथ संबंध स्थापति कयिे हैं।
- **आपदा प्रबंधन में भूमिका:** ICG ने बड़ी पारस्थितिक आपदाओं के दौरान सफलतापूर्वक सुरक्षा प्रदान की है और इस कक्षेत्र में 'प्रथम प्रतक्रियिकर्त्ता' (First Responder) के रूप में उभरा है।
  - उदाहरण के लयि आईसीजी ने हाल ही में श्रीलंका तट पर सागर आरक्षा-II के रासायनिक वाहक एमवी एक्सप्रेस परल जहाज़ पर आग बुझाकर गंभीर पारस्थितिक आपदा को सफलतापूर्वक टाल दयिा।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/pay-roll-automation-for-disbursement-of-monthly-allowances-padma>

